विनायक तोरवी

अकादेमी पुरस्कारः हिन्दुस्तानी गायन संगीत

VINAYAK TORVI

Akademi Award: Hindustani Vocal

कर्नाटक के राणेबेन्नूर में 4 सितंबर 1948 को जन्मे, श्री विनायक तोरवी ने प्रारम्भ मे ग्वालियर घराने के श्री गुरुराव देशपांडे से हिन्दुस्तानी संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त किया, फिर आपको भारत रत्न पंडित भीमसेन जोशी का संरक्षण प्राप्त हुआ, जिनका सम्बंध किराना घराने से था। आपने उन्हीं के मार्गदर्शन मे अपनी कला को निखारा। आप आकाशवाणी और दूरदर्शन के शीर्ष श्रेणी के कलाकार हैं और आपने देश–विदेश में आयोजित कई प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में अपनी प्रस्तुतियाँ दी है। आपने देश–दुनिया के अलग–अलग हिस्सों में संगीत कार्यशालाओं का आयोजन किया है। आप बेंगलुरु स्थित प्रतिष्ठित संगीत संस्थान, गुरुराव देशपांडे संगीत सभा, के संस्थापक हैं और आपने कई छात्रों को गुरुकुल प्रशिक्षण प्रणाली के माध्यम से प्रशिक्षित भी किया है। श्री तोरवी ने 'गुरु दास' उपनाम से सैकड़ों सुंदर बंदिशों और तरानों की रचना की है। आपने चिदंबरा साहित्य के नौ खंडों का प्रकाशन भी किया है।

हिन्दुस्तानी संगीत में योगदान के लिए श्री विनायक तोरवी को कई उपाधियों और पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है जिनमें वर्ष 1990 में कर्नाटक सरकार द्वारा प्रदान किया गया कर्नाटक राज्योत्सव पुरस्कार; वर्ष 1996 में चौड़िया स्मृति पुरस्कार; वर्ष 2012 में अवनि श्रृंगेरी महा संस्थान द्वारा दी गई आस्थाना विद्वान की उपाधि; और वर्ष 2022 में कर्नाटक सरकार द्वारा प्रदान किया गया राज्य संगीत विद्वान पुरस्कार प्रमुख हैं।

श्री विनायक तोरवी को हिन्दुस्तानी गायन संगीत में योगदान के लिए वर्ष 2019 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Born on 4 September 1948 at Ranebennur in Karnataka, Shri Vinayak Torvi received his training in music from Gururao Deshpande of the Gwalior gharana and later groomed his art under the tutelage of Pandit Bhimsen Joshi of the Kirana gharana. A top grade artist of All India Radio and Doordarshan, he has performed in many prestigious music festivals in India and overseas. He has conducted many workshops on music around the world. Founder of Gururao Deshpande Sangeet Sabha, an eminent music institution in Bengaluru, he has trained many students in the Gurukul system. Shri Torvi has composed hundreds of elegant bandishes and taranas under the pen name *'Guru Daas'*. He has also published nine volumes of Chidambara Sahitya.

For his contribution to Hindustani music, Shri Vinayak Torvi has received many titles and awards. These include the Karnataka State Rajyotsav Award bestowed by the Government of Karnataka in 1990; the Chowdiah Memorial Award in 1996; the title of Asthana Vidwan from Avani Sringeri Maha Sansthan in 2012; and the Rajya Sangeetha Vidwan Award conferred by the Government of Karnataka in 2020.

Shri Vinayak Torvi receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2019 for his contribution to Hindustani vocal music.